



मेरी साली पंकी-3

“वो मेरे होंठ चूसने लगी। मैंने भी अपना पूरा सहयोग दिया। मैंने उसको उल्टा लिटा लिया और उसकी गर्दन से चूमता हुआ नीचे आता गया और फिर धीरे से उसकी ब्रा की हुक खोल दी। ...”

Story By: (varinder9inchi)

Posted: Tuesday, December 16th, 2008

Categories: [जीजा साली की चुदाई](#)

Online version: [मेरी साली पंकी-3](#)

मेरी साली पंकी-3

मेरा नाम है वरिदर, मैं गाज़ियाबाद का रहने वाला हूँ, मैं अन्तर्वासना का बेहद शौकीन आदमी हूँ। इसकी हर चुदाई को पढ़-पढ़ कर मुझे बहुत आनंद आता है।
आपने मेरी कहानी के दो भाग पढ़े, अब आगे :

कुछ ही देर में वो सिर्फ़ ब्रा-पैंटी में थी।

उसने भी मेरे लोअर को खोल दिया, बाकी का काम मैंने अपने आप उतार कर कर दिया।

वो लिपट गई, बोली- उस दरिन्दे की पिटाई झगड़े से तंग हूँ।

‘बस, अब सब भूल जाओ! अपने हाथ से एक पैग बनाओ। ऐसे ही चलकर आना मॉडल की तरह!’

वो पैग बना लाई, मैंने कहा- एक बात कहूँ? लगता नहीं है कि तेरी दस साल की बेटा होगी।

उसने पैग पकड़ा दिया और खुद का पी लिया, मुझे लगा अब उसको और नहीं पीने दूंगा, वरना वो सो जायेगी और मेरा मूड खराब होगा।

मैंने अब उसको बाँहों में उठाया और अपने बिस्तर पर जा पटका, लाईट बंद कर दी, लाल रंग का जीरो वाट का बल्ब जला लिया। उसकी रोशनी में उसके अंग और मस्त लगने लगे।

वरिदर, मैं कबसे तुम्हें पसंद करती थी!

तेरा झगड़ा किस बात पर होता है?

अब क्या कहूँ? उसकी गैर-मौजूदगी में उसके एक दोस्त के साथ मेरे संबंध बन गए थे, उस

कमीने ने मुझे कई बार चोदा और जब मैंने एक दिन मना किया तो उसने मुझे फंसा दिया, पति के दिमाग में शक डाल दिया कि उसकी बीवी उसके पीछे से गैर-मर्दों से मिलती है। बस तब से लड़ाई होने लगी है। हालाँकि उन्होंने कभी मुझे किसी के साथ रंगे-हाथ नहीं पकड़ा!

छोड़ो जीजू सबको!

वो मेरे होंठ चूसने लगी। मैंने भी अपना पूरा सहयोग दिया। मैंने उसको उल्टा लिटा लिया और उसकी गर्दन से चूमता हुआ नीचे आता गया और फिर धीरे से उसकी ब्रा की हुक खोल दी जिससे उसके दोनों कबूतर आज़ाद होकर फड़फड़ाने लगे। मैंने हाथ घुसा उसके चुचूक को चुटकी में लिया और मसल दिया।

वो गर्म होने लगी।

मैंने उसकी ब्रा पूरे तरीके से अलग कर दी और उसको पलट कर पहले उसके गुलाबी होंठों से शराब पी और फिर धीरे से उसका एक चूची मुँह में ली।

वाह! क्या मस्त चूची थी!

मैंने उसके चुचूक को अंदर ही अंदर चूस लिया।

वो कसमसा गई, सिमटने लगी।

मैंने उसकी दूसरी चूची चूसी, मुझे इतना आनंद आ रहा था, सच में कयामत थी, न जाने कितनी लड़कियों को नंगी कर चुका था, लेकिन साली का शबाब था कि सबसे अलग! ऊपर से उसके नखरे, अंदाज़ साफ़ दिखाते थे कि वो कितनी चुदक्कड़ औरत होगी। उसने भी मुझे अपने ऊपर से धकेल दिया, मैं सीधा लेट गया, मेरा लौड़ा कच्छे में तम्बू बना कर खड़ा था।

उसने पहले मेरी छाती को सहलाया, बालों से खेली, धीरे से नीचे सरकी और एकदम से उसने मेरा लौड़ा निकाल लिया- वाह जीजू! कितना बड़ा लौड़ा है आपका? छुटकी के तो

वारे-न्यारे होंगे ! क्या

पति मिला है उसको ! काश मुझे पहले मिल गए होते तो उस लंगूर के प्रेम में न पड़ती ।
मैं भी तो तेरा हूँ ! साली आधी घरवाली होती है !

उसने पहले मेरे लौड़े को सहलाया, फिर उसके सुपारे को चूमा, मांस नीचे करते हुए उसने मुंह में ले लिया और चूसने लगी ।

फिर उसने लौड़े को चूसना चालू कर दिया, मेरा सांवला लौड़ा अकड़ रहा था पर वो थी कि उसकी अकड़ को अपने होंठों से निकाल रही थी- अह अह !

‘बहुत मस्त लग रही हो साली साहिबा !’

‘पिंकी कहो वरिदर !’

‘हाँ पिंकी ! बहुत मस्त लगती हो जब लौड़ा चूसती हो !’

वो पूरे नशे में थी ।

‘वरिदर, तेरे तो आज वारे-न्यारे हो गए ! सोचा भी नहीं था परसनल माल खुद घर आ जाएगा ।’

मैंने उसकी टाँगें खुलवा ली और बीच लेट अपनी जुबां से उसकी चूत के दाने को रगड़ने लगा । वो कांप उठी !

जब जोर से जुबां चलती तो थरथराने लगती ।

69 की अवस्था में आकर मैं एक साथ उसकी चूत चाट रहा था और वो मेरा लौड़ा चूस रही थी ।

‘वरिदर, आपका सच में बहुत बड़ा लौड़ा है !’

‘साली, मैं जब तेरी बहन को ठोकता हूँ तो कभी-कभी आंखें बंद कर लेता हूँ, तेरा चेहरा सामने रखकर उसकी मारता हूँ !’

हाय मेरे वरिदर शेर! मुझे क्या मालूम था कि घर में इतना बड़ा मूसल है!
दोनों हल्फ नंगे होकर चिपकने लगे। दोनों उठे और वो घोड़ी बन गई, बोली- चल वरिदर
घुसा दे! नहीं रहा जा रहा!

मैंने उसकी चूत में लौड़ा घुसाना शुरू कर दिया।
हाय! धीरे करो! बहुत बड़ा और मोटा है! ऐसे की आदत नहीं है राजा!

मैंने पूरा लौड़ा घुसा दिया।
हाय जीजू! आपका तो मेरी बच्चेदानी से रगड़ खा रहा है!
मैंने गति बढ़ा दी, उसकी दोनों चूचियाँ लटक रही थी, जब झटका लगता तो वो झूलने
लगती।

मैंने उनको हाथों में पकड़ लिया और ठोकने लगा।
कुछ देर बाद मैंने उसको सीधा लिटाया और उसके ऊपर सवार हो चला। इससे दोनों की
छाती घिसने लगी तो आग निकलती।

बिस्तर में एक घंटा उथल-पुथल करने के बाद जब हम हाँफने लगे तो कमरे में तूफ़ान के
बाद वाली शांति थी, सिर्फ सांसें सुन रही थी।
मैंने उसको मोना की सबसे सेक्सी नाईटी पहना दी और खाना खाने लगे। खाने से पहले
एक-एक पैग ठोक लिया।

बिस्तर में जाकर मैंने दोबारा उसका दूध पीना चालू किया और मेरा लौड़ा भी खड़ा हो
गया। उसने दुबारा चूसना चालू कर दिया।
अब मैंने उसकी गाण्ड में ऊँगली घुसा दी, फिर दो ऊँगलियाँ, फिर तीन! अंगूठा चूत में,
चार ऊँगली गाण्ड में!

मैंने पीछे से उसकी टांग उठाई और उसकी गाण्ड में सुपारा घुसा दिया ।
वो थोड़ी हिल गई, लेकिन साली ने रोका तक नहीं ।

मेरा हौसला बढ़ा तो मैंने झटके से आधा लौड़ा घुसा दिया उसको दर्द हुई लेकिन फिर से सह गई ।

पता नहीं साली किस मिट्टी से बनी थी, मैंने पूरा उतार दिया और रगड़ने लगा । साथ साथ वो खुद अपनी चूत के दाने को मसल रही थी और मैं उसकी चूचियों को और गाण्ड को दबा कर चोद रहा था । पूरी रात हमने नज़ारे लूटे !

सुबह जब उसकी आँख खुली तो खुद को पूरी नंगी मेरे साथ चादर में पाया तो मेरी भी आँख खुल गई ।

मैंने उसको खींच लिया ।

‘जीजू, यह क्या हो गया ?’

उसकी गालें शर्म से सुर्ख लाल होने लगी, वो आँख मिलाने से बचना चाहती थी ।

मैंने उसको दबोच कर उसके होंठ चूम लिए ताकि उसकी शर्म उतरे और वो आगे भी मेरी सेवा करती रहे ।

‘मुझे शर्म आती है !’ वो उठी, कपड़े पहनने लगी, बोली- जीजू सर चकरा रहा है, बदन टूट रहा है ।

दोस्तो, अभी तो असली मजा बाकी है ! वो सब अगले भाग में लिख रहा हूँ...

varinder9inchi@yahoo.com

Other stories you may be interested in

प्यार की शुरुआत या वासना-1

सभी पाठकों को राघव का नमस्कार! यह मेरी पहली कहानी है जो मैं आप लोगों से साझा कर रहा हूँ. मेरा प्लेसमेंट बी टेक थर्ड ईयर में यहीं गुड़गाँव की एक कंपनी में हो गया था, ये मेरे कॉलेज का [...]

[Full Story >>>](#)

चाची की चूत और अनचुदी गांड मारी

नमस्कार दोस्तों, मेरा नाम रंजन देसाई है. मेरी उम्र 27 साल है और मैं कोल्हापुर, महाराष्ट्र का रहने वाला हूँ. मैंने अन्तर्वासना पर बहुत सारी कहानियां पढ़ी हैं. ये मेरी पहली कहानी है जो मैं अन्तर्वासना पर लिख रहा हूँ. [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी चूत को बड़े लंड का तलब

मैं सपना जैन, फिर एक बार एक नई दास्तान लेकर हाज़िर हूँ. मेरी पिछली कहानी बड़े लंड का लालच जिन्होंने नहीं पढ़ी है, उन्हें यह नयी कहानी कहां से शुरू हुई, समझ में नहीं आएगी. इसलिये आप पहले मेरी कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी गांड पहली बार कैसे चुदी

नमस्कार मेरे प्यारे अन्तर्वासना के साथियो, मैं लगभग 4 वर्षों से अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ। मैंने अन्तर्वासना की लगभग सारी कहानियां पढ़ी हैं। मुझे उनमें से सनी शर्मा की कहानियां बहुत पसंद हैं. अब मुझे लगता है कि मुझे [...]

[Full Story >>>](#)

ऑफिस की मैम की चूत और गांड

मेरा नाम शकील है और मैं मुंबई से हूँ. मैं एक निजी कंपनी में जॉब करता हूँ. मेरी उम्र 28 साल है व हाइट 5 फुट 8 इंच है. मैं देखने में ठीक ठाक हूँ. मेरी कंपनी में कौसर मैम [...]

[Full Story >>>](#)

